एक दियालु सामरी मनक

THE GOOD SAMARITAN

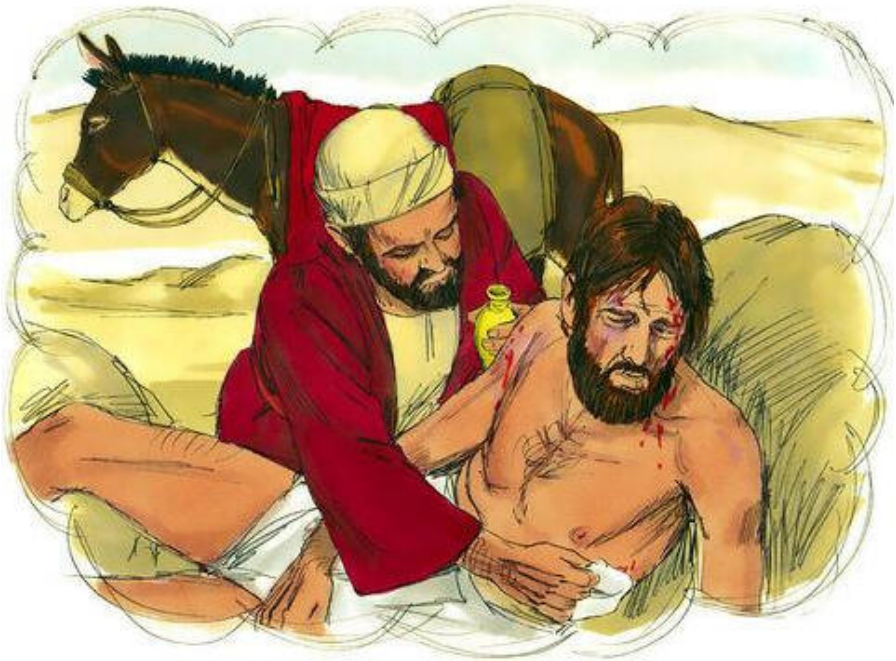

Merwari

एक दियालु सामरी मनक

THE GOOD SAMARITAN

Images by © 2021 Sweet publication.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-8)

प्रकाशनः-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एक दयालु सामरी के द्रष्टांत के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

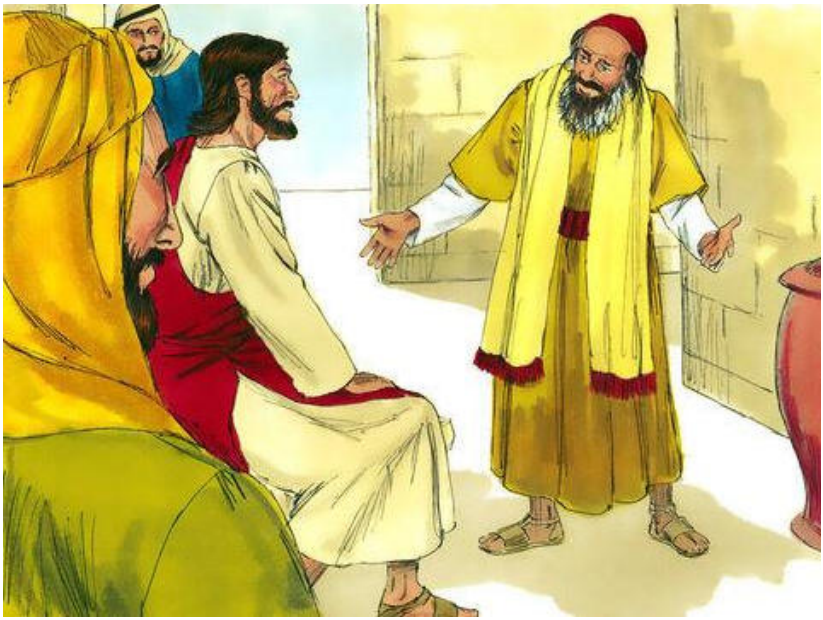

एक बारि एक मनक ईसु के
कनअ आयो।
ऐर ईसु न जाँचबान पुच्यो।
गरुजी,हरग म जाबाकेती
मनअ काई करनो चावे

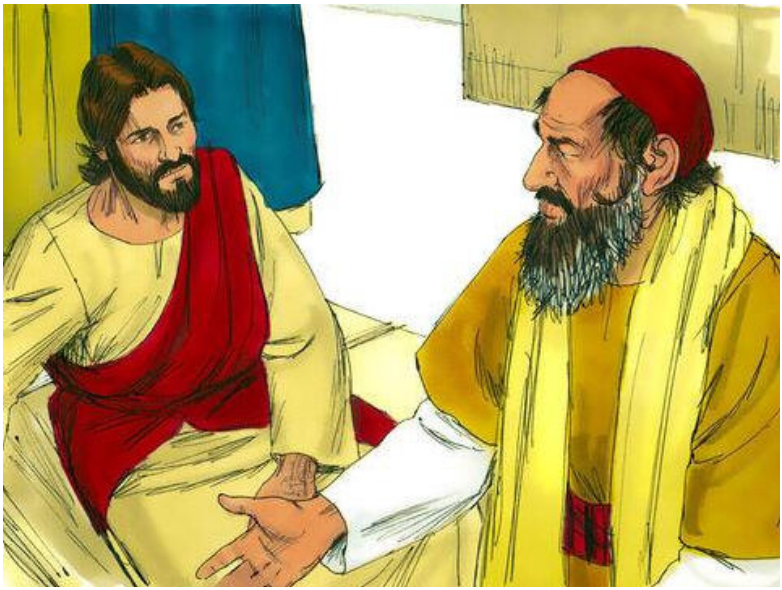

ईसु कियो,बचनअ म काई लच्चोड़ो हे।

बो मनक ईसु न जुआब दियो।

तु परबु ऊँ हगळा मन ऊँ,हगळा जिव ऊँ हगळी तागत ऊँ ऐर हगळा डमाग ऊँ परेम कर,ऐर पाड़ोसिऊँ खुदके जशान परेम कर।

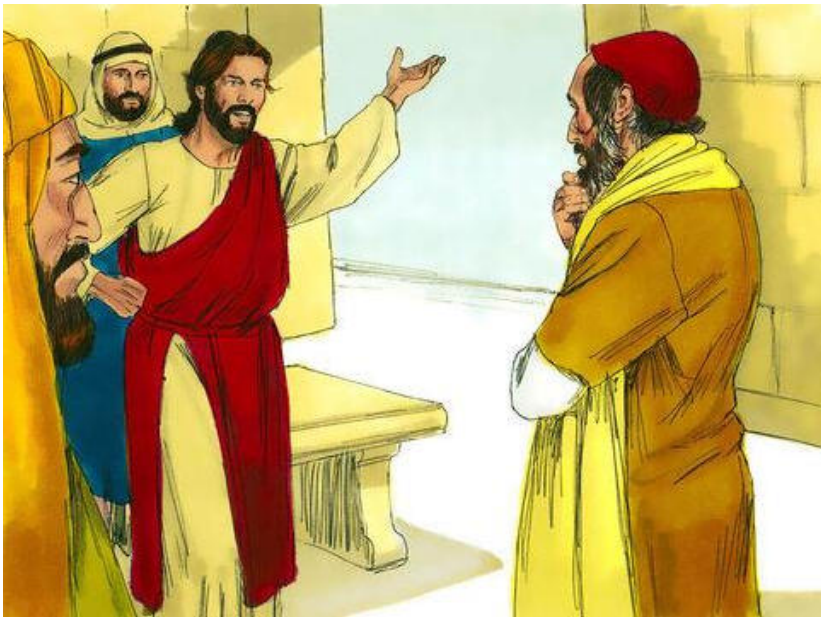

ईसु बिनअ कियो तु सई जुआब दियो हे।

अशान ई कर तो तु जिवतो ई रेई।

फेर बो ईसु न पुछ्यो मारो पाडो़सी कुणी हे

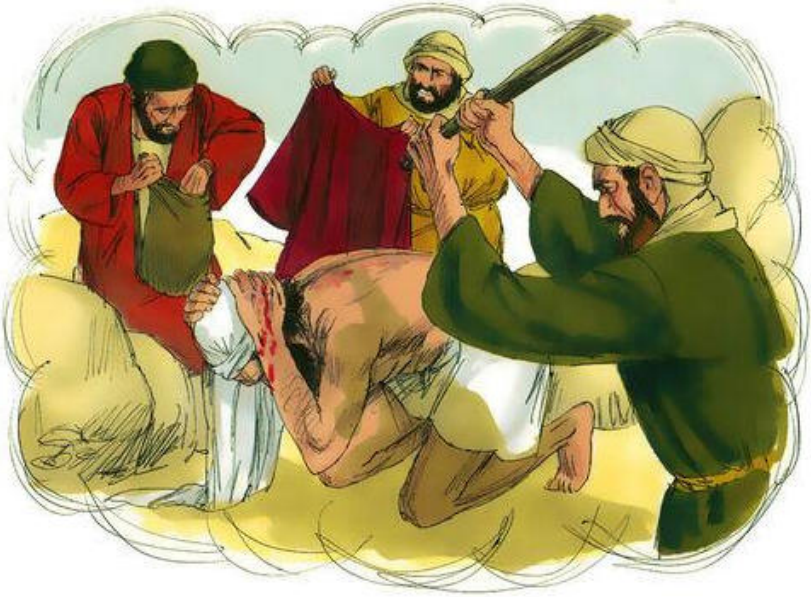

ईसु बिनअ जुआब दियो।
एक मनक यरुसलेम ऊँ यरीहो
जा रीयो हो।
गेला म डाकु बिकि मारा–कुटी
करर अदमरो पटकअर पराज्या।

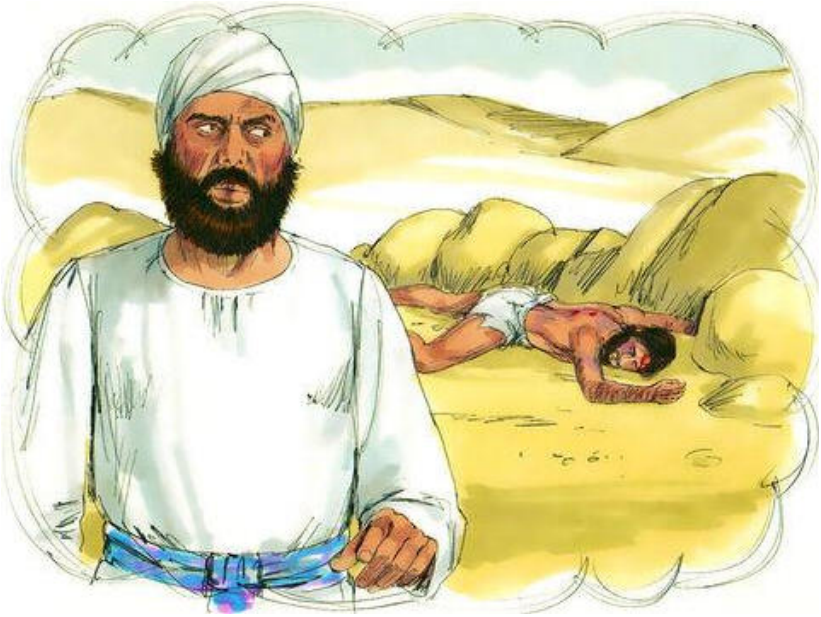

एक याजक बि गेलाऊँ
जा रियो हो।
याजक बिनअ देकर
मुंडो फेरर परोज्यो।

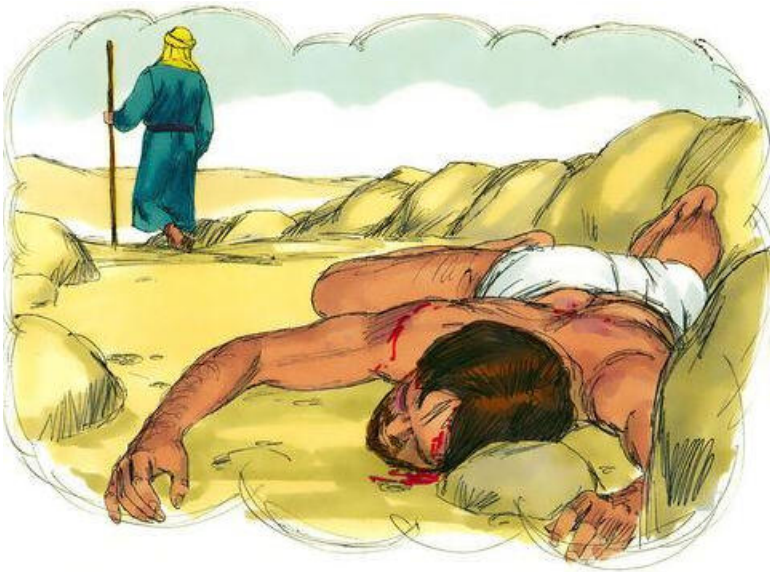

फेर मन्दर म शेवा करबाळो एक लेवी आयो।

बो बि बिनअ देकर मुंडो फेरर परोज्यो।

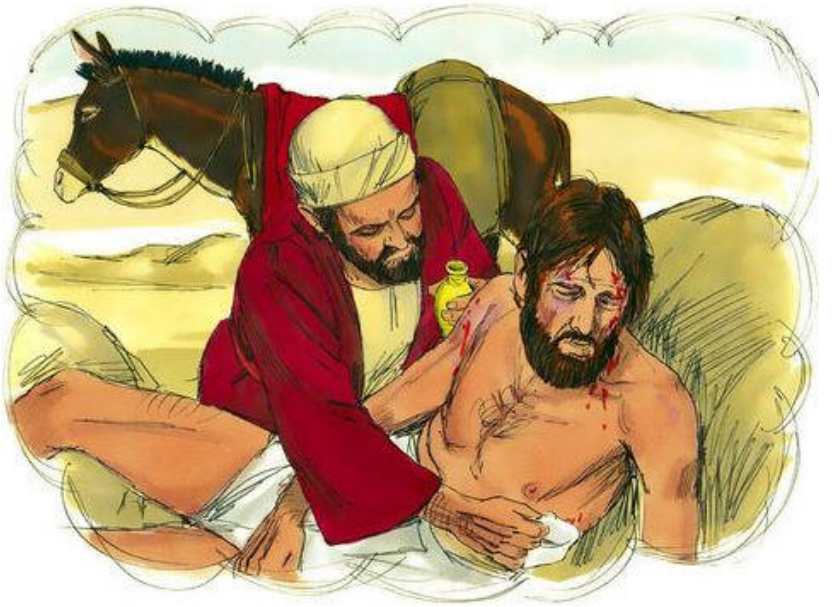

पचँ एक सामरी बटे आयो।
बो बिनअ देकर बी परँ दिया
करी।
ऐर बिके लाज्योड़ि हि बटे
मल्लम लगार पाटि करी।

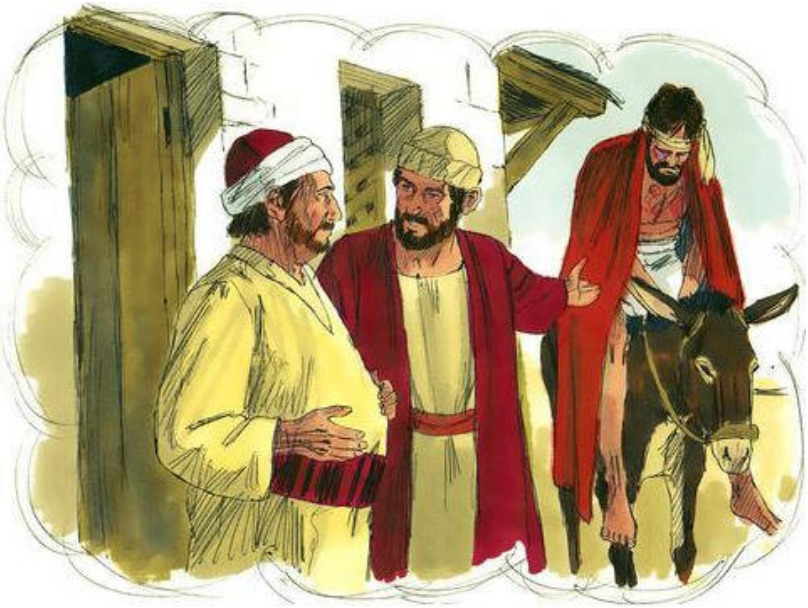

फेर खुदकि सुआरी
परँ बटाणर धरमसाळा
म लेज्यो।
ऐर सामरी बिकी शेवा
करी।

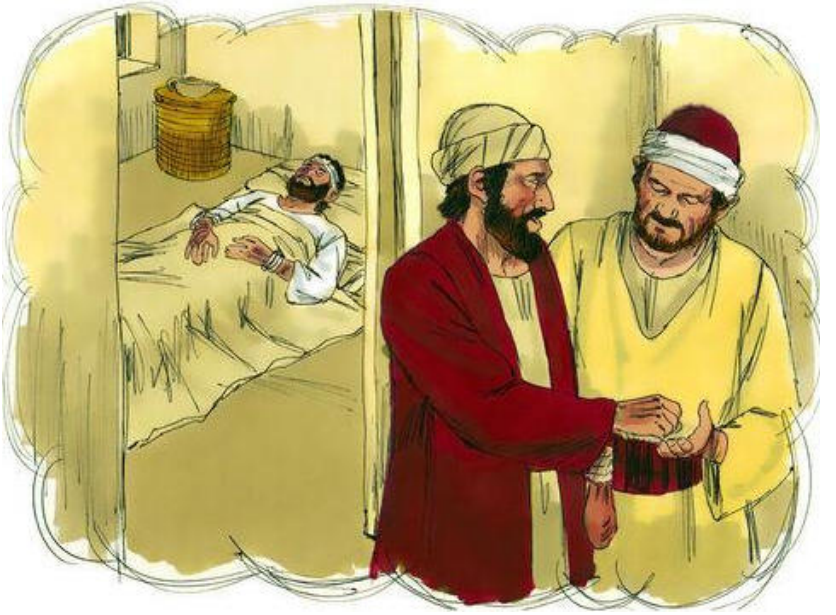

दुजा दन सामरी धरमसाळा का
मालक न दो चाँदी का सक्का दिया।
ऐर धरमसाळा का मालक न कियो,
ईकी शेवा करज्यो।
ऐर जादा खर्चो लागे, तो मूँ पाचो
आऊँ जद देंज्येऊँ।

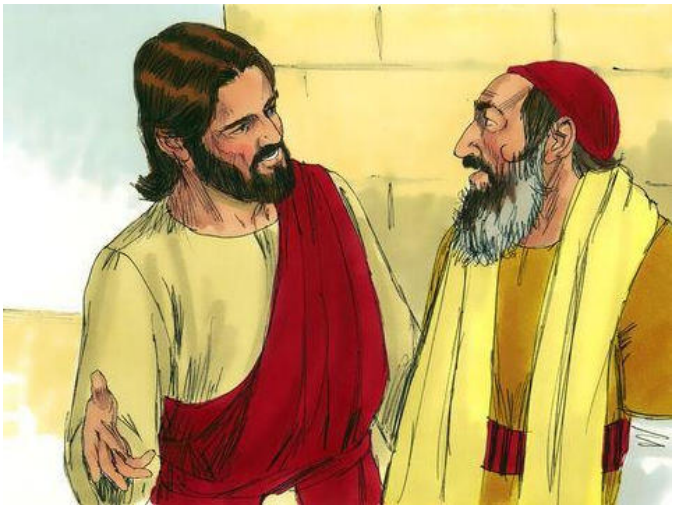

ईसु बि परकबाळा मनक ऊँ पूंच्यो।
जिनअ डाकु लुटयो।
बिकेती याजक, मंदर म शेवा
करबाळा लेवी ऐर सामरी तीनु मू
बिंको पाडोसि कुण है।
बो मनक कियो, जो बिपरँ दिया
करी।
ईसु कियो,“जा तु भी अशान ई
कर्या कर।”

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक
विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®